Prabhat Khabar (Date: - 12/02/2020)

# प्रतिदिन 19.41 लाख लीटर दूध का हो रहा संग्रह : मोदी

बजट पूर्व परिचर्चा की छठी बैठक के दौरान डिप्टी सीएम सुशील मोदी व अन्य.

## ➲ डिप्टी सीएम ने कहा- मछली उत्पादन में आत्मनिर्भर होगा बिहार

**पटना.** बजट पूर्व विभिन्न विभागों की चर्चा व योजनाओं की घोषणा के क्रम में मंगलवार को उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी ने पशु व मत्स्य संसाधन विभाग की समीक्षा की. सचिवालय सभागार में आयोजित बजट पूर्व परिचर्चा की छठी बैठक में मोदी ने कहा कि दूध उत्पादन में बिहार का स्थान देश में छठां है. यहां प्रतिदिन 19.41 लाख लीटर दुध का संग्रह व 15 लाख लीटर की मार्केटिंग हो रही है. प्रतिवर्ष 6.42 लाख मछली उत्पादन के साथ बिहार शीघ्र ही आत्मनिर्भर बनने की तरफ है. पशुपालन विभाग का बजट विगत 15 वर्षों में 2005-06 के 73.16 करोड़ से बढ़कर 2019-20 में 953.25 करोड़ हो गया है. बैठक को कृषि व पशुपालन मंत्री डॉ प्रेम कुमार ने भी संबोधित किया.

**60 लाख किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड :** डिप्टी सीएम ने कहा कि 12 से 27 फरवरी तक पीएम किसान सम्मान योजना के तहत निबंधित 60 लाख किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड के देने के लिए चलाये जा रहे विशेष अभियान से पशु व मछली पालकों को भी जोड़ा जायेगा. कृषि के साथ पशुपालन सरकार की प्राथमिकता में है. अंडा और दूध की खपत बढ़ाने के लिए इसे आंगनबाड़ी व स्कूलों में संचालित मध्याह्न भोजन योजना से भी जोड़ा गया है.

### पूर्णिया-डुमरांव में प्रोजेक्ट

राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड की सहायता से पूर्णिया में 50 लाख क्षमता का फ्रोजेन सिमेन स्टेशन तथा राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत गायों के देशी नस्लों के विकास के लिए डुमरांव में भ्रूण हस्तांतरण प्रौद्योगिकी परियोजना प्रारंभ की गयी है. वर्ष 2019-20 में एफएमडी बीमारियों की रोकथाम को 3 .30 करोड़ तथा एचएस बीक्यू के लिए 1.65 करोड़ पशुओं व 51 लाख भेड़-बकरियों का टीकाकरण किया गया है. बैठक में शामिल पशु, मुर्गी व मछली पालक किसानों ने अंडा की कीमत नियंत्रित करने, बाजार उपलब्ध कराने, मछलियों की बीमारी ज्ञात करने के लिए लैब स्थापित करने के सुझाव दिये गये. बैठक में वित्त विभाग के प्रधान सचिव एस सिद्धार्थ, पशु व मत्स्य संसाधन विभाग के प्रधान सचिव एन विजय लक्ष्मी उपस्थित थे.

Prabhat Khabar (Date: - 12/02/2020)

**हैप्पी हैंड्स प्रोजेक्ट** | द विजन ऑफ अंत्योदय पुस्तक का होगा विमोचन

# फूलों से रंग बनाने वाले प्रवीण को आज उपराष्ट्रपति देंगे सम्मान

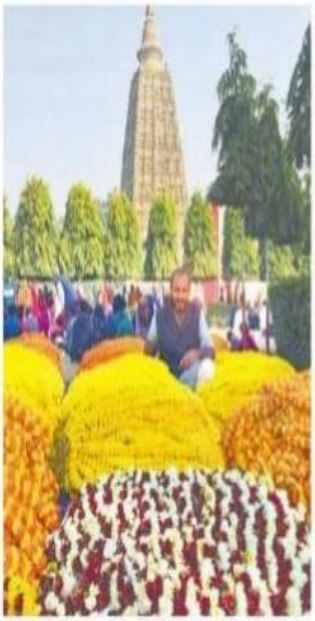

जूही स्मिता @ पटना

स्टार्टअप 'मातृका' के तहत हैप्पी हैंड्स प्रोजेक्ट चला रहे प्रवीण चौहान को आज उपराष्ट्रपति एम वैंकेंया नायडू सम्मानित करेंगे. इंडियन सोशल रेस्पांसबिलिटी नेटवर्क की ओर से अंत्योदय- सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों के संग्रह के अंतर्गत गया के रहने वाले प्रवीण को यह सम्मान मिलेगा. मौके पर 'द विजन ऑफ अंत्योदय' पुस्तक का विमोचन भी होगा, जिसमें प्रवीण के साथ 408 लोगों के प्रोजेक्टों को शामिल किया गया है. उन्हें यह पुरस्कार महिलाओं के उत्थान के लिए दिया जा रहा है. प्रवीण के इस स्टार्टअप को **प्रभात खबर** ने स्टोरी के माध्यम से लोगों को बताया था.

## महिलाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए मिल रहा सम्मान

### राज्य स्तर पर काम की बनायी है योजना

प्रवीण बताते हैं कि सूबे के उद्योग विभाग के सचिव से राज्य स्तर पर मंदिरों से फूलों के संग्रह की बात चल रही है. इससे नेचुरल रंग बनेगा और खादी की रंगाई होगी. इसे वेस्ट मैनेजमेंट के रूप में भी देखा जा सकता है. बचे अवशेष से अगरबत्ती और जैविक कंपोस्ट बनाया जायेगा. आर्ट ऑफ लिविंग, टाटा ट्रस्ट और श्रीश्री रूरल डेवलपमेंट प्रोग्राम ट्रस्ट में प्रोजेक्ट को लेकर बात चल रही है. कर्नाटक सरकार की ओर से हमें महाबलेश्वर के 103 मंदिरों के लिए काम करने का ऑफर भी मिला है. हमें बिहार सरकार के सपोर्ट की जरूरत है ताकि हम बिहार में रह कर यहां की महिलाओं इस प्रोजेक्ट से जोड़कर कुछ बेहतर कर सकें. मेरे प्रोजेक्ट में रूमा टोमर, शशांक चौधरी, निवेदिता अच्युतम, गौरव, किशन और सौम्या का सहयोग मिल रहा है.

### फूल से निकालते हैं रंग

महाबोधि मंदिर में उनके प्रयास से पूजा के चढ़े फूलों को अब फेंका नहीं जाता है. उन फूलों से रंग निकाला जाता है और उससे खादी की रंगाई कर तैयार ड्रेस की मार्केटिंग होती है. प्रवीण चौहान बताते हैं कि फूलों से निकलने वाले आर्गेनिक कलर से रंगे खादी के प्रति लोगों की गहरी आस्था है. पिछले एक साल में 25 हजार मीटर खादी की रंगाई की गयी है. इन खादी से बने वस्त्रों की डिमांड आस्ट्रेलिया, जापान, अमेरिका जैसे देशों में भी है.

Hindustan (Date: - 12/02/2020)

# मछली उत्पादन में बिहार होगा आत्मनिर्भर : मोदी

**बजट पूर्व परिचर्चा**

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

उप मुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि प्रतिवर्ष 6.42 लाख मछली उत्पादन के साथ बिहार शीघ्र ही आत्मनिर्भर हो जायेगा। वहीं, बिहार में प्रतिदिन 19.41 लाख लीटर दूध का संग्रह और 15 लाख लीटर की मार्केटिंग हो रही है। बिहार दूध उत्पादन में देश में छठे स्थान पर है।

श्री मोदी मंगलवार को पशुपालन, दूध, मछली, मुर्गी, अंडा उत्पादन, बकरी पालन व गौशाला प्रक्षेत्र के लोगों के साथ सचिवालय सभागार में आयोजित बजट पूर्व परिचर्चा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि पशुपालन विभाग का बजट विगत 15 वर्षों में 2005-06 के 73.16 करोड़ से बढ़ कर 2019-20 में 953.25 करोड़ हो गया है। बैठक को कृषि व पशुपालन मंत्री डा. प्रेम कुमार ने भी सम्बोधित किया।

श्री मोदी ने कहा कि 12 से 27 फरवरी तक प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना के तहत निर्बंधित 60 लाख किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) देने के लिए चलाये जा रहे विशेष अभियान से पशु व मछली पालकों को भी जोड़ा जायेगा। कृषि के साथ पशुपालन प्रक्षेत्र सरकार की प्राथमिकता में है। अंडा और दूध की खपत बढ़ाने के लिए इसे आंगनबाड़ी और स्कूलों में संचालित मध्याह्न भोजन योजना से जोड़ा गया है। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड की सहायता से पूर्णिया में 50 लाख क्षमता का फ्रोजेन सिमेन स्टेशन तथा राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत गायों के देसी नस्लों के संवर्द्धन हेतु डुमरांव में भ्रूण हस्तांतरण प्रौद्योगिकी परियोजना प्रारंभ की गई है। वर्ष 2019-20 में एफएमडी बीमारियों की रोकथाम के लिए 3.30 करोड़ तथा एचएस बीक्यू के लिए 1.65 करोड़ पशुओं व 51 लाख भेड़-बकरियों का टीकाकरण किया गया है। बैठक में वित्त विभाग के प्रधान सचिव एस. सिद्धार्थ, पशु व मत्स्य संसाधन विभाग के प्रधान सचिव एन विजय लक्ष्मी सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

## उपमुख्यमंत्री बोले

- प्रतिदिन 19.41 लाख लीटर दूध का संग्रह कर रहा बिहार
- निबंधित 60 लाख किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड मिलेगा

## किसानों ने दिये सुझाव

बैठक में शामिल पशु, मुर्गी व मछली पालक किसानों ने अंडा की कीमत नियंत्रित करने, बाजार उपलब्ध कराने, मछलियों की बीमारी ज्ञात करने के लिए लैब स्थापित करने, मछली बीज व चारा के प्रमाणीकरण आदि के सुझाव दिए।

Hindustan (Date: - 12/02/2020)

### भगवानपुर से जयनगर के बीच टाइमिंग में बदलाव होगा, जयनगर अब रात 11 बजे की बजाय नौ बजकर 50 मिनट पर पहुंचेगी

# पटना से जयनगर का सफर 70 मिनट पहले होगा पूरा

अच्छी खबर

पटना | वरीय संवाददाता

पटना- जयनगर इंटरसिटी एक्सप्रेस गाड़ी संख्या 15550 के समय में परिवर्तन किया गया है। ट्रेन के समय में परिवर्तन 14 फरवरी से प्रभावी होगा। पूर्व मध्य रेल के मुख्य यात्री परिचालन प्रबंधक ने सूचना जारी कर कहा है कि पटना जयनगर एक्स्प्रेस के सिर्फ अप दिशा में समय को संशोधित किया जाना है। रेलवे की ओर से समय में बदलाव के बाद यह ट्रेन पटना से जयनगर जाने वाले यात्रियों का सफर एक घंटा 10 मिनट पहले ही पूरा कर देगी। यह ट्रेन संशोधित समय के अनुसार सात स्टेशनों पर तय समय के पहले पहुंचेगी। पटना से हाजीपुर तक ट्रेन पहले के समय पर ही पहुंचेगी। लेकिन भगवानपुर से जयनगर के बीच इस ट्रेन की टाइमिंग में बदलाव होगा। भगवानपुर में यह ट्रेन 17:38 बजे की जगह 17:14 बजे पहुंचेगी। मुजफ्फरपुर में 18:35 की जगह 17:50, समस्तीपुर में 19:40 की जगह 18:50, दरभंगा में 20:50 की जगह 20 बजे, सकरी में 21:20 बजे की जगह 20:35 बजे और मधुबनी में 21:51 की जगह 20:55 बजे ही पहुंच जाएगी जबकि जयनगर में 23 बजे की जगह 21:50 में ही पहुंचेगी। साथ ही इस ट्रेन के समय में बदलाव के कारण गाड़ी संख्या 55513 समस्तीपुर-जयनगर पैसेंजर और गाड़ी संख्या 75210 जयनगर-समस्तीपुर डेमू पैसेंजर के समय में भी संशोधन किया गया है। गाड़ी संख्या 75292 हरनगर दरभंगा डेमू पैसेंजर के समय में संशोधन करते हुए विभिन्न स्टेशनों पर ट्रेन के ठहराव के समय में बदलाव हुआ है।

## सीएनजी रीफिलिंग की समस्या पर लगेगी लगाम

अच्छी खबर

पटना। पटना के नौबतपुर-मसौढ़ी रोड और सगुना मोड़ के पास दो नए कम्प्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) रीफिलिंग स्टेशन बनकर पूरी तरह तैयार है। गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (गेल) ने दोनों स्टेशनों की प्रायोगिक चेकिंग भी सफलतापूर्वक कर ली है। इस सप्ताह में किसी भी दिन दोनों स्टेशन पटनावासियों के लिए खोल दिया जाएगा। इसके खुलने के बाद पटना में सीएनजी की किल्लत पर काफी हद तक लगाम लग जाएगी। गेल के डीजीएम रजनीश कुमार ने कहा कि स्टेशन तकनीकी रूप से तैयार है। राज्य सरकार की माप-तौल व अन्य एजेंसी को अब स्टेशन का मुआयना कर इसे संचालित करने के लिए जरूरी सर्टिफिकेट देना है। एजेंसी से भी बातचीत हो चुकी है। उद्घाटन अगले दो-तीन दिनों में हो सकता है।

Hindustan (Date: - 12/02/2020)

## केन्द्र सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना, ग्रामीण का लक्ष्य बढ़ाया, लक्ष्य में सवा दो लाख की वृद्धि

# राज्य में गरीबों को मिलेंगे 10 लाख आवास

पटना | हिन्दुस्तान ब्यूरो

राज्य के गरीबों को इस वर्ष अपना आशियाना बनाने में परेशानी नहीं उठानी पड़ेगी। सरकार ने उनके लिए 10 लाख 12 हजार 359 आवास देने का नया लक्ष्य निर्धारित किया है। नए लक्ष्य तय करने का सीधा लाभ अल्पसंख्यक समाज के गरीबों से लेकर अन्य सभी वर्गों के गरीबों को मिलेगा। दरअसल, सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना, ग्रामीण के तहत चालू वित्तीय वर्ष के लिए आठ लाख आवासीय इकाइयों का लक्ष्य रखा था। लेकिन अनुसूचित जाति, जनजाति में योग्य पात्र परिवारों के उपलब्ध नहीं रहने से उनका कोटा अन्य वर्गों को देने का निर्णय लिया गया। आर्थिक-सामाजिक-जातीय जनगणना के आधार पर बनायी गई प्रतीक्षा से ही इन पात्र परिवारों का चयन किया गया था। उनकी प्रतीक्षा सूची बनायी गई थी। अनुसूचित जाति/ जनजाति कोटि के लाभुकों के आवास के प्रति रुचि नहीं जाहिर करने पर यह फैसला लेना पड़ा।

### सहूलियत

- अल्पसंख्यकों समेत अन्य कोटि के लाभुकों के चयन का लक्ष्य भी बढ़ा
- पहले से तैयार चिह्नित व प्रतीक्षा सूची के लोगों को मिलेगा आवास

### सभी जिलों का नया लक्ष्य

अन्य वर्गों के लिए नया लक्ष्य तय करने से जिलों को 500 से लेकर 16 हजार अतिरिक्त आवास मिलने का लाभ मिला है। सबसे अधिक लाभ भोजपुर को हुआ है। वहां 16,255 नए आवास गरीबों को मिलेंगे। पूर्वी चंपारण को 15,500 आवास, सारण, बेगूसराय व सहरसा को 15 हजार, सीवान-कटिहार-जहानाबाद-गोपालगंज को पांच-पांच हजार, औरंगाबाद को 9 हजार, कैमूर को 4500, मुंगेर को 10 हजार, नालंदा 8 हजार व पश्चिमी चंपारण को 7500 अतिरिक्त आवास मिलेंगे। अल्पसंख्यक समाज के लोगों को हर जिले में पांच सौ से लेकर 9.5 हजार आवासीय इकाइयों का अतिरिक्त आवंटन का लाभ मिलेगा।

### आर्थिक-सामाजिक-जातीय जनगणना के आधार पर चयन

इससे पूर्व निर्धारित आठ लाख इकाई के लक्ष्य में दो लाख से अधिक की वृद्धि हुई। आर्थिक-सामाजिक-जातीय जनगणना के आधार पर बनायी गई प्रतीक्षा से ही इन पात्र परिवारों का चयन किया गया था। उनकी प्रतीक्षा सूची बनायी गई थी। सरकार द्वारा तय नए लक्ष्य के तहत अब अल्पसंख्यक समाज के लोगों को कुल आवासीय इकाइयों में से 15 फीसदी मिलेगा। उन्हें एक लाख 52 हजार 315 आवास मिलेंगे। अन्य वर्गों को आठ लाख 60 हजार 44 आवास मिलेंगे। लक्ष्य का पांच प्रतिशत दिव्यांग लाभुकों को मिलेगा।